Impact Factor 3.025

ISSN 2349-638x

Refereed And Indexed Journal

AAYUSHI INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL (AIIRJ)

Monthly Publish Journal

VOL-IV ISSUE-II FEB. 2017

Address
· Vikram Nagar, Boudhi Chouk, Latur.
· Tq. Latur, Dis. Latur 413512 (MS.)
· (+91) 9922455749, (+91) 9158387437

Email
· aiirjpramod@gmail.com
· aayushijournal@gmail.com

Website
· www.aiirjournal.com

CHIEF EDITOR – PRAMOD PRAKASHRAO TANDALE

मीडिया से प्रभावित जन–जीवन

Anita Rani
Asst. Prof.
Gopi Chand Arya Mahila College
Abohar, 152116
rajanita030@gmail.com

अरब देशों में भड़की क्रान्ति हो, लीबिया में तानाशाही का अंत या फिर अपने देश भारत की सरजमी पर एक साधारण से कद–काठी वाले अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन को मिला जनसमर्थन। देश या विदेश के किसी भी कोने में चुनाव हो या रैली हो। इन सभी बड़े बदलाव व खबरो के पिछे जो सबसे जीवंत वजह है, जिसने हर जगह के आंदोलन के लिए ईंधन का काम किया वो है– मीडिया। मीडिया यानि संवाद का जरिया।

मीडिया क्या है–मीडिया एक ऐसा जरिया है जिसके द्वारा देश विदेश की जानकारी, डाटा को एक साथ लाखों लोगों तक पहुँचाया जाता है। आज कल के मीडिया के सबसे आसान तरीके है। टी.वी, न्यूजपेपर, इन्टरनेट आदि। मीडिया का हमारे जीवन व समाज में एक अहम स्थान है। समय के साथ टीवी में चैनल बढ़े, लोगो का रूझान बढ़ा, जिसके साथ ही इसमें समाचार के लिए अलग चैनल, गानों के लिए अलग चैनल, धार्मिक चैनल, बच्चों के चैनल, हर भाषा के अलग चैनल आ गए। इस तरह मीडिया का विस्तार होता गया। मीडिया नाम का जाल देश, समाज में फैल गया। टी.वी पर आने वाले मीडिया को मास मीडिया नाम मिला।

बढ़ते मीडिया के प्रभाव से समाज भी प्रभावित हुआ जिसके सकारात्मक व नकारात्मक दोनो पक्ष हमारे सामने आते है। वर्तमान में मीडिया का मुख्य स्त्रोत टैलीविजन है। जिससे समाज व सामाजिक दोनों बहुत प्रभावित हुए है।

मीडिया का सकारात्मक प्रभाव–

–मीडिया का सबसे बड़ा साधन आज के समय में है टैलीविजन। टी.वी में आज जितना मनोंरजन मिलता है उतने ही समाचार चैलन उपलब्ध है। मीडिया के द्वारा लोगो को शिक्षा, स्वास्थ्य व वातावरण संबंधी जानकारी प्राप्त होती है।

–मीडिया के द्वारा लोगो को शिक्षा, स्वास्थ्य व वातावरण संबंधी जानकारी प्राप्त होती है।

–मीडिया के द्वारा लोगों को अपना टैलेंट पूरी दुनिया में सबके सामने रखने का अच्छा प्लेटफार्म मिलता है। इसके द्वारा विज्ञापन कंपनी के उन्नति के रास्ते खुल गए विज्ञापन के द्वारा अलग–2 तरह के समान संबंधी लोगो को जानकारी मिलती है, जिससे इसकी बिक्री भी अधिक होती है।

–मीडिया के द्वारा हम घर बैठे–2 दूर दराज चल रहे क्रिकेट मैच का मजा ले सकते है। इसी प्रकार किसी भी क्षेत्र में कोई चुनाव हो रैली हो हम घर बैठे उस के बारे में जान पाते है।

–मीडिया वाले भ्रष्टाचारी नेताओं की पोल खोलने के लिए कई तरह से मेहनत करते है वे स्टिंग ऑपरेशन के द्वारा उनकी सच्चाई सबके सामने लाते है। गलत काम करने से डरते है। क्योंकि उनकी हर गतिविधी पर मीडिया वालो की पेनी नजर होती है।

–लेटेस्ट न्यूज के लिए इन्टरनेट का सहारा लिया जा सकता है। सोशल मीडिया आजकल काफी प्रचलित है। जिसके द्वारा अनेको लोग जुड़े हुए है और जानकारी के साथ अपनी बात भी शेयर कर सकते है।

वहीं मीडिया के सकारात्मक प्रभाव होने के साथ इसका **नकारात्मक पक्ष** भी आता है हमारे सामने जिससे जन जीवन प्रभावित हुआ है व होता जा रहा है–

–मीडिया कुछ भी दिखाने के लिए आजकल फुहड़ता परोसी जाती है। कई बार फैमिली चैलन मे भी ऐसे कार्यक्रम आते है जो परिवार के साथ बैठकर नहीं देखे जा सकते है।

–टी.आर.पी की होड़ में सब मीडिया वाले एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हो गये है। क्वालिटी में ध्यान न देकर कुछ भी दिखाते है।

–इन दिनो बढ़ती हिसां अपराध और आत्महत्या के किस्से समाज के लिए सिरदर्द बने है। आज आदमी के पास जितना है उससे वह सतुंष्ट नही है व उतना सब कुछ तुरंत पा लेता है के तुंरत पा लेना चाहता है जितना न तो उसके बस में है, ना ही व्यवहारिक रूप से संभव। बदलते दौर का बदलता मीडिया इस हालात के लिए समान रूप से जिम्मेदार है। लगातार प्रसारित विज्ञापन यह मानने पर बाध्य करते है कि अगर फल वस्तु आपके पास नहीं है तो आप दुनिया के सबसे हीन, सबसे दयनीय और बेकार इंसान है। अपनी वस्तु बेचने के लिए यह एक आदर्श नीति हो सकती है लेकिन यह नीति आम आदमी में कुत्सित प्रतिस्पर्धा को जन्म दे रही है इस पर विचार कौन करेगा?

–अधिक समय मास मीडिया व सोशल मीडिया में बिताने के कारण लोग समय बर्बाद करते है। इससे लोगों की सामाजिक जिंदगी प्रभावित होती है। इस नशे की भांति ये व्यक्ति को चिपक जाता है। जिससे इन्सान के दिमाग का विकास रूक जाता है। मां बाप अगर ध्यान न दे तो बच्चे सोशल मीडिया से कुछ सिखने की बजाये गलत लोगों की संगति में पड़ जाते है और अपना भविष्य खराब कर बैठते है। वहीं किसी व्यक्ति विशेष के बारे में कई बार कुछ गलत अफवाह फैला दी जाती है जिससे उसकी प्रतिष्ठा खराब होती है।

–वहीं मीडिया ने जातिवाद, साम्प्रदायिक दंगो को बढ़ावा दिया है। न्यूज बनाने के चक्कर में किसी भी हद तक चले जाते है। आजकल मीडिया में सच्चाई कम कंटेट ज्यादा होता है।

मीडिया के कर्त्वय–

–मीडिया वालो को ये ध्यान रखना चाहिए कि जो वो दिखा रहें है, उसमें सच्चाई हो, झूठी बात, अफवाह को दिखाने से परहेज करे।

–अपने कार्यक्रमों के द्वारा किसी को मानसिक रूप से परेशान नहीं करना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम दिखाने चाहिए, जिससे देश समाज कुछ सीखे और आगे बढ़े।

–सरकार को भी मास मीडिया और सोशल मीडिया पर पेनी नजर रखनी चाहिए। किसी भी गलत बात, बेंढ़गे प्रोग्राम को टेलीकास्ट नही होने देना चाहिए।

मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म बन चुका है, जो समाज में एक महत्वपूर्ण ऊँचा स्थान रखता है। उसको अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अच्छा काम करना चाहिए। वैसे कुछ भी कहो मीडिया वाले बहुत मेहनत करते है। वे 24 घंटे काम करते है। जिससे देश समाज मनोरंजित कर सके। उन्हीं की बदोलत फिल्म अभिनेता स्टार बनता है तथा राजनेता का कालचिट्ठा सामने आता है।

संदर्भ सूची

1. कृष्ण कुमार मालविया– आधुनिक विज्ञापन
2. डॉ. हरिश अरोड़ा – ग्लोबल मीडिया और हिन्दी पत्रकारिता
3. हिंमाशु शेखर – मीडिया का बदलता चरित्र
4. कार्तिक प्रसाद – प्रेस की आजादी